गुजरात में रुग्ण औद्योगिक एककों को भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक द्वारा सहायता दिया जाना

2004. **श्री राजूभाई परमार :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक ने गुजरात में रुग्ण एककों को कोई सहायता नहीं प्रदान की है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) यदि उक्त भाग (क) का उत्तर "ना" है, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में इन औद्योगिक एककों को वर्षवार कितनी-कितनी सहायता प्रदान की गई ; और

(घ) गुजरात में दी गई सहायता का जिलेवार ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न पैदा ही नहीं होता ।

(ग) भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक ने सूचित किया है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में रुग्ण औद्योगिक एककों को मंजूर और संवितरित सावधि ऋण की प्रमात्रा निम्नलिखित है :—

(करोड़ रुपए)

	मंजूर		संवितरण	
	इकाई	राशि	इकाई	राशि
1989–90 . . .	1	1.93	10	2.00
1990–91 . . .	4	3.08	8	2.22
1991–92 . . .	4	7.13	9	1.89

(घ) भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक द्वारा जिलावार सहायता का ब्यौरा नहीं रखा जाता है ।

औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा गुजरात में रुग्ण उद्योगों का पता लगाया जाना

2005. **श्री राजूभाई ए० परमार :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा पता लगाए गए रुग्ण हैं । उद्योगों की जिलेवार संख्या कितनी-कितनी

(ख) क्या इन रुग्ण उद्योगों के चयन के समय कोई शिकायतें मिली थीं और क्या इन शिकायतों के मिलने पर निर्णय बदले गए थे ; और

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी आई एफ आर) ने सूचित किया है कि वह, उसके पास पंजीकृत रुग्ण औद्योगिक कंपनियों के संबंध में, जिलेवार आंकड़े नहीं रखता है । अलबत्ता, 30–6–1992 की स्थिति के अनुसार बी आई एफ आर के पास गुजरात की 111 रुग्ण औद्योगिक कंपनियां पंजीकृत थी ।

(ख) और (ग) बी० आई० एफ० आर० ने सूचित किया है कि प्राप्त सभी संदर्भों की संवीक्षा, पंजीकरण करके उन्हें अध्यक्ष को प्रस्तुत किया जाता है जो बोर्ड की किसी एक पीठ को मामले आवंटित करते हैं। पीठ संबंद्ध सभी पार्टियों को सुनवाई के पश्चात् ऋणता का निर्धारण करती है। इसके इलावा, बोर्ड को ऋणता की घोषणा के संबंध में अपने स्वयं के निर्णय को संवीक्षा करने का अधिकार नहीं है।

Trade with Erstwhile USSR

2006. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SOM PAL:
SHRIMATI MIRA DAS:
SHRI SARADA MOHANTY:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what is the turn over of the trade between former USSR, now CIS, and India during the last three years;

(b) what is the total debt India has incurred over the years from former USSR and what is the arrangement for its repayment;

(c) what are the problems of repayment and whether these are adversely affecting current trade between the two countries;

(d) whether the traditional exports to USSR are drastically low; and

(e) if so, what are the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) The turnover of trade between former USSR and India during the last three years is as follows:

(Rs. in crores)

	1989-90	1990-91	1991-92
Imports from USSR	2038.19	2548.12	1780·26
Exports to USSR	4462.97	5254.79	3967·31
TOTAL	5601.16	7802.91	5747·57

(b) and (c) The total debt of India to the former USSR was 11.489 million Roubles as of 31 December, 1991. The repayment of the debt is to be made in the form of Indian exports to USSR. "On account" payments against debt service are being made into the Central Account of the former USSR with the Reserve Bank of India. The huge outstanding technical credit given by India to the former USSR is currently being adjusted against these payments.

(d) and (e) There has been a decline in the exports to the former USSR in 1991-92 and in the current financial year so far because of shortfall in the export of goods from the former USSR to India and the consequent non-generation of resources for exports from India to former USSR.

Foreign Exchange Reserve Position

2007. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of FINANCE be pleased t ostate:

(a) what is the existing foreign exchange reserve position of the country;